हेरोल्ड, क्रेयॉन और जानवर

हेरोल्ड रात को सो नहीं सका,

इसलिए उसने अपने रुई से भरे हुए

जानवरों को बाहर निकाला.

हेरोल्ड ने सोचा - जानवरों की ज़िंदगी
कितनी मज़ेदार होती होगी.

मैं कौन सा जानवर बनना चाहूंगा?
उसने आश्चर्य से पूछा.

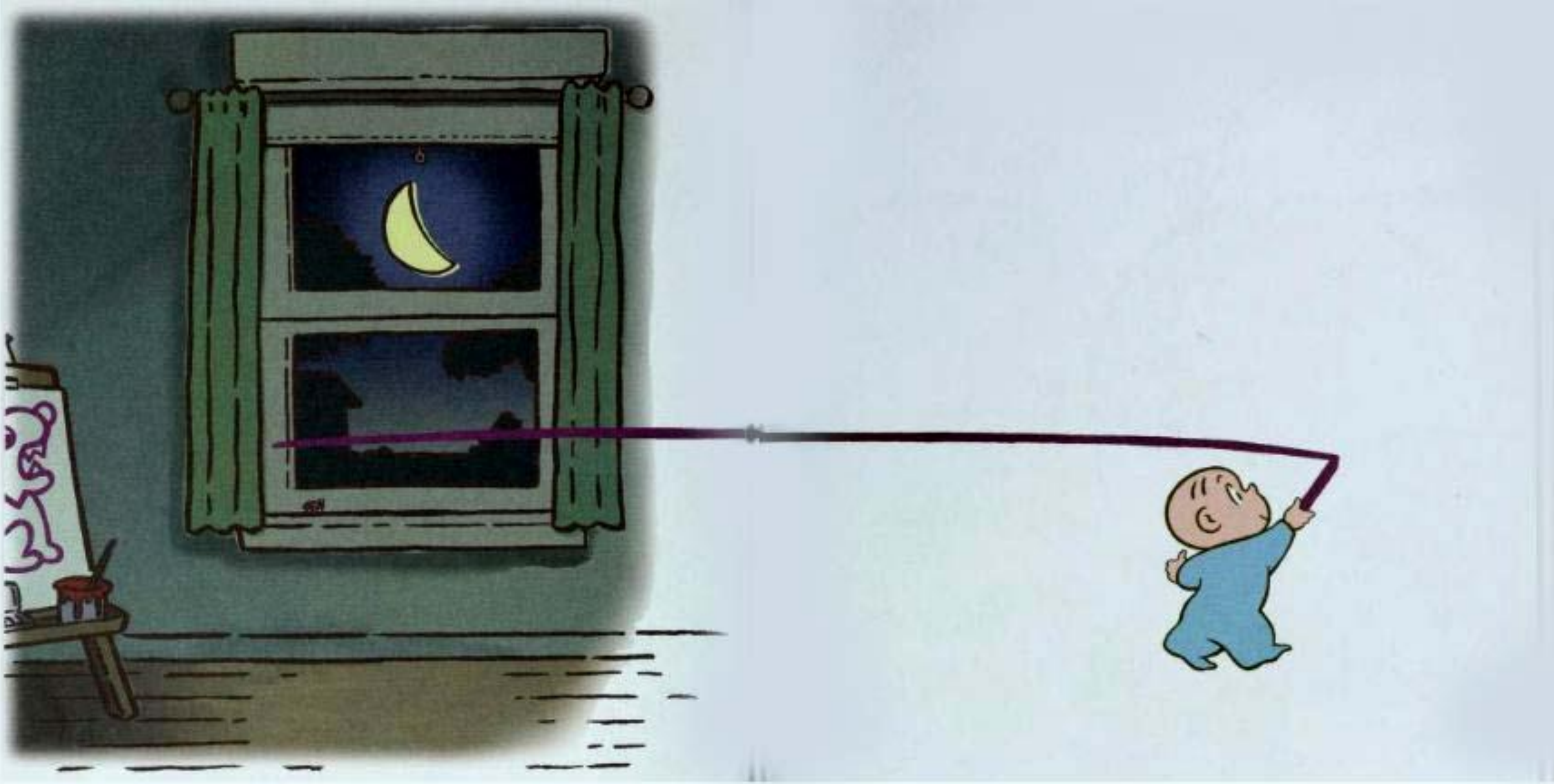

हेरोल्ड जानवरों के बारे में
और जानना चाहता था.

उसने अपना क्रेयॉन उठाया और
फिर वो एक साहसिक और
रोमांचक यात्रा पर निकल पड़ा.

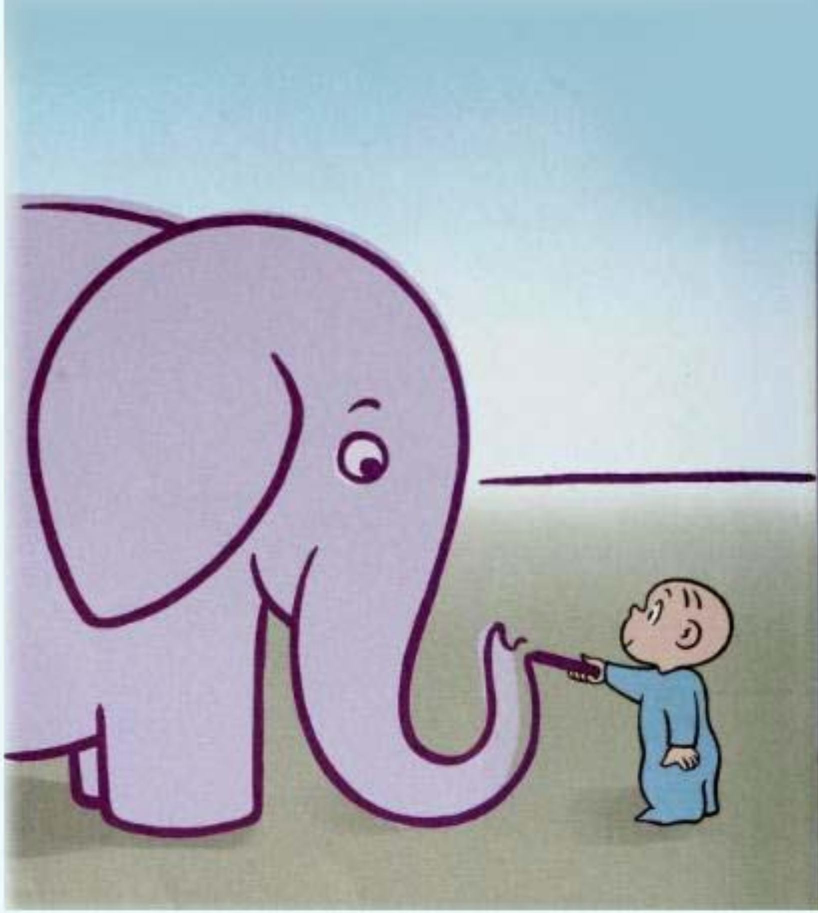

हेरोल्ड ने सोचा,
मैं बड़ा और शक्तिशाली बनना चाहता हूँ.
इसलिए उसने अपना क्रेयॉन उठाया
और एक हाथी का चित्र बनाया.

हाथी ने अपनी सूंड
पानी की बाल्टी में डुबोई.
फिर उसने चारों तरफ पानी
का छिड़काव किया.

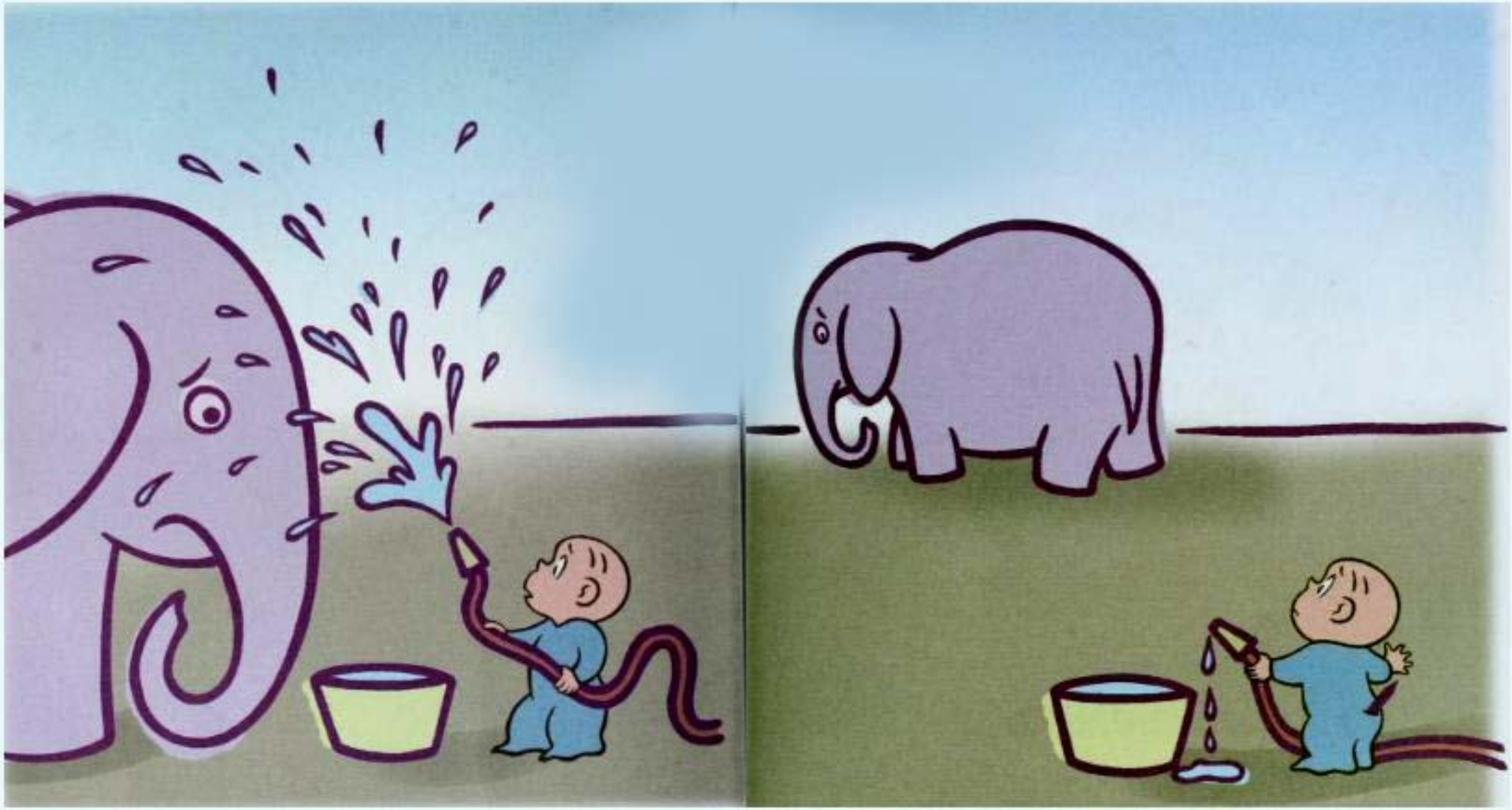

हेरोल्ड को यह बड़ा मजेदार लगा.
इसलिए हेरोल्ड ने एक रबर का पाइप बनाया.
लेकिन पाइप बहुत लचीला था.
हेरोल्ड ने गलती से हाथी पर पानी छिड़क दिया.

हाथी पूरी तरह गीला हो गया.
हेरोल्ड ने हाथी से माफी मांगने की कोशिश की,
लेकिन हाथी वहां से चला गया.

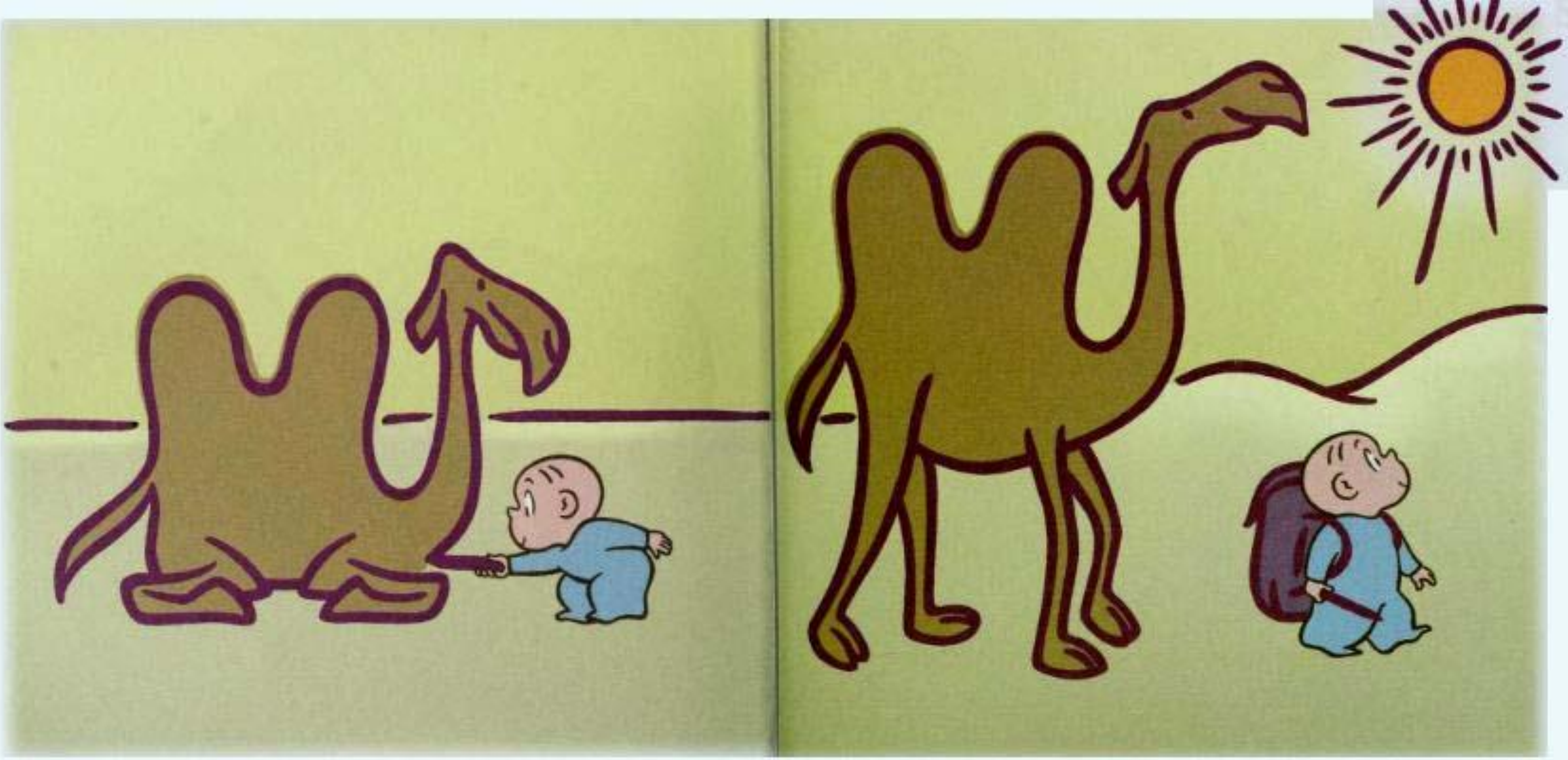

मैं लंबी यात्राएं करना चाहूंगा,
हेरोल्ड ने सोचा.
फिर उसने एक ऊंट का चित्र बनाया.

उसके बाद हेरोल्ड ने एक बड़ा पिट्ठू बनाया
जो भोजन और पानी से भरा हुआ था.
फिर हेरोल्ड और ऊंट रेगिस्तान में आगे बढ़े.

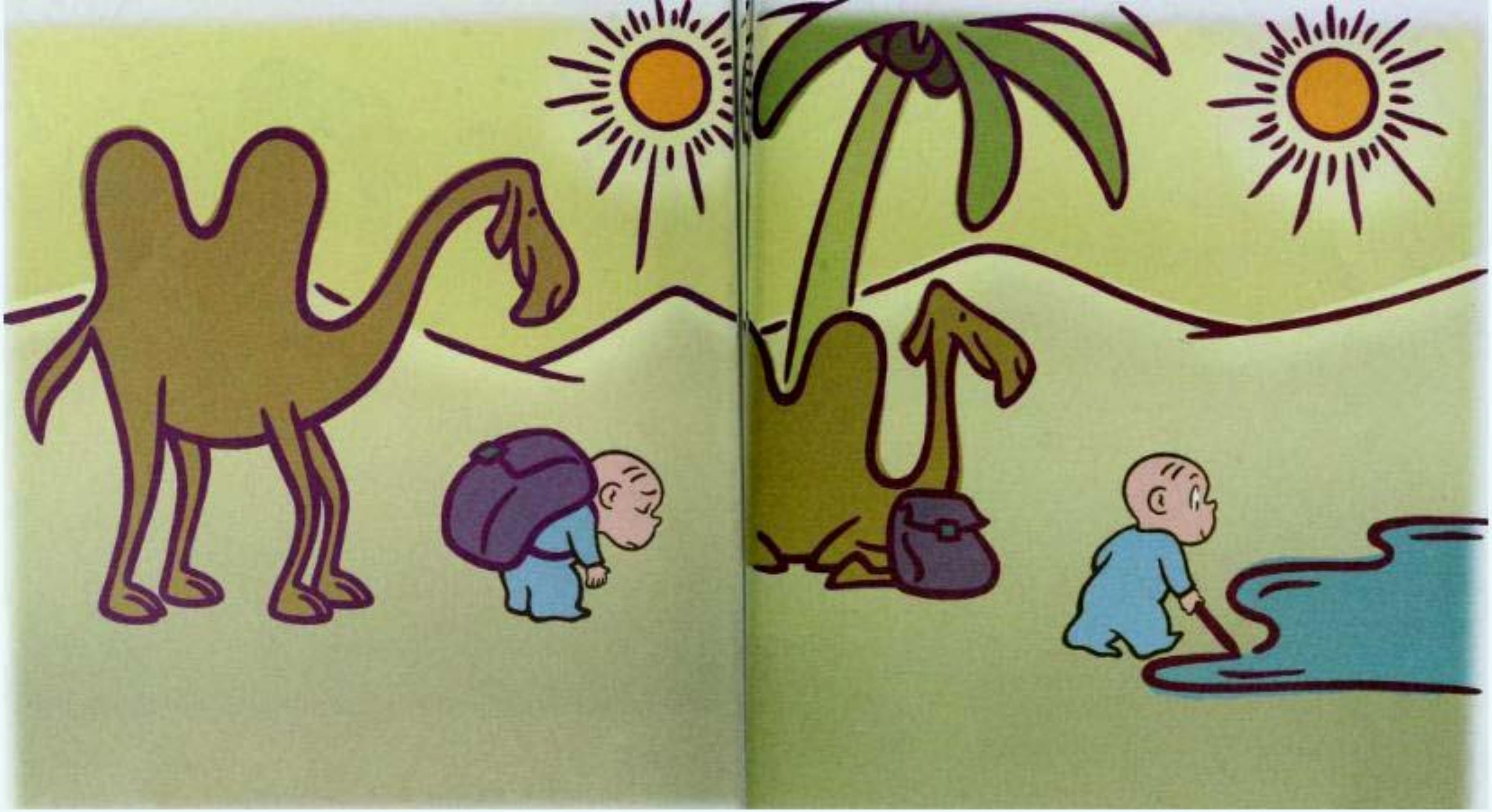

क्योंकि हेरोल्ड पैदल चल रहा था,
इसलिए उसे अपना पिट्ठू बहुत भारी लगा.
कुछ देर बाद हेरोल्ड थक गया.

सूरज बहुत गर्म था.
इसलिए हेरोल्ड ने एक झील और
एक ताड़ का पेड़ बनाया.

जब हेरोल्ड आराम कर रहा था,
तभी उसके पास से एक चीतों का झुंड भागा.
मैं भी बहुत तेजी से आगे बढ़ना चाहता हूं,
हेरोल्ड ने सोचा.

हेरोल्ड ने रोलर स्केट्स की एक जोड़ी बनाई
और फिर वो चीतों के पीछे-पीछे दौड़ा.

चीतों के साथ दौड़ लगाने में उसे बड़ा मज़ा आया. लेकिन जल्द ही हेरोल्ड को फिर से गर्मी लगने लगी. वो अब किसी ठंडे स्थान पर जाना चाहता था.

हेरोल्ड ने अपना क्रेयॉन उठाया फिर उसने आकाश तक एक लम्बी रेखा खींची. जल्द ही उसने खुद को एक बर्फ से ढकी पहाड़ी के ऊपर पाया.

वहां हेरोल्ड, पेंगुइन के एक समूह से मिला.
पेंगुइन एक-एक करके पेट के बल
नीचे ढलान से फिसल रही थीं.

मैं भी एक बर्फीली पहाड़ी पर फिसलना
चाहता हूं, हेरोल्ड ने सोचा. फिर उसने बर्फ
पर फिसलने वाली एक स्लेज बनाई.

कई पेंगुइन भी हेरोल्ड की स्लेज में कूदीं.
जल्द ही स्लेज पेंगुइन से भर गई.
स्लेज पहाड़ी पर से तेज़ स्पीड में फिसलने लगी.

फिर एक दुर्घटना हुई.
हेरोल्ड और पेंगुइन बर्फ में गिरे.

हेरोल्ड पूरी तरह बर्फ से ढका था.

उसे बड़ी ठंड लग रही थी.

फिर उसने आकाश में एक बड़ा सूरज बनाया.

हेरोल्ड को दुबारा से गर्मी लगने लगी.

फिर उसने एक जंगल का चित्र बनाया.

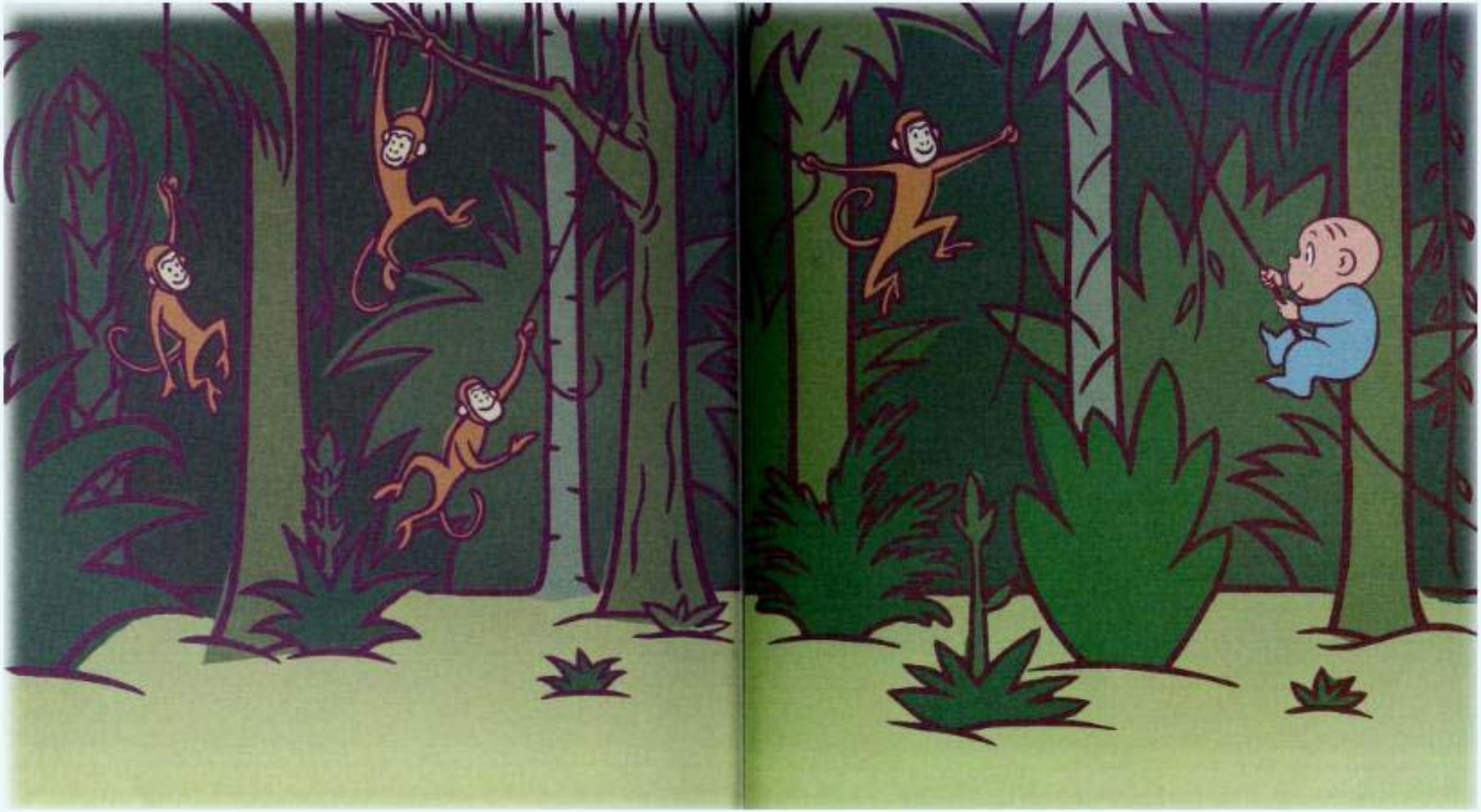

बंदर लताओं पर झूल रहे थे.
मैं भी उनकी तरह झूलना चाहूंगा,
हेरोल्ड ने सोचा.

हेरोल्ड भी ऊपर पहुँचा और उसने
अपने हाथों से एक बेल पकड़ ली.
जल्द ही वो भी आगे-पीछे झूल रहा था,
बिल्कुल बंदरों की तरह.

जानवरों का जीवन जीने में हेरोल्ड
को बड़ा मज़ा आया था. लेकिन हेरोल्ड
को अपनी ज़िंदगी ही पसंद थी.

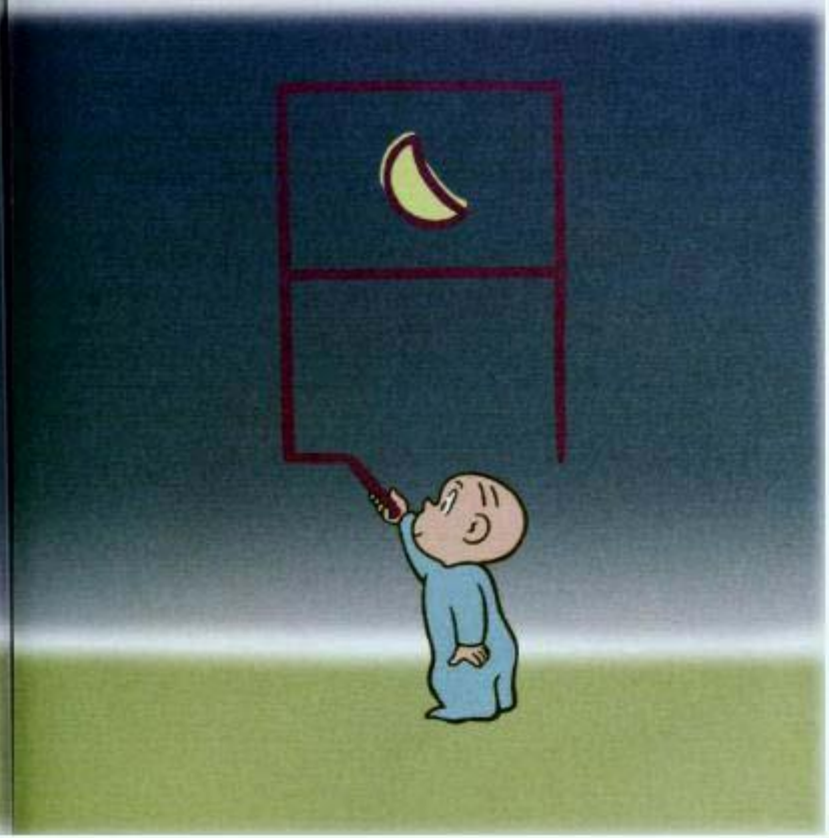

फिर हेरोल्ड ने अपना क्रेयॉन उठाया और
उसने अपने बेडरूम की खिड़की बनाई.

अपने कमरे में वापस आकर
हेरोल्ड ने खुद को चादर से ढंका.
जैसे ही उसने अपने कुत्ते को अपनी बाहों में लिया,
वैसे ही हेरोल्ड का क्रेयॉन फर्श पर गिर गया,
और फिर हेरोल्ड सो गया.

हेरोल्ड अपनी माँ को उनके जन्मदिन
पर क्या उपहार देगा?

समाप्त